



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

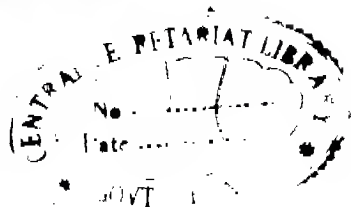
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 398]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 29, 1975/आश्विन 7, 1897

No. 398]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 29, 1975/ASVINA 7, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 29th September 1975

S. O. 552(E)/18E/IDRA/75.—Whereas the Central Government by its Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 13(E) dated the 3rd January, 1974, issued under clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) authorised the Board of Management specified in that Order to take over the management of the Bombay unit of Messrs Hind Cycles Limited, Bombay (hereinafter referred to as the industrial undertaking), for the period specified therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18E of the said Act, the Central Government hereby specifies in the Schedule annexed hereto the exceptions, restrictions and limitations subject to which the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall continue to apply to the industrial undertaking in the same manner as it applied thereto before the issue of the said Order.

THE SCHEDULE

Provisions of the Companies Act, 1956	Exceptions, restrictions and limitations subject to which the provisions mentioned in column (1) shall apply to the undertaking.
---------------------------------------	--

(1)

(2)

Section 291(1)	Provisions of this section shall not apply to the industrial undertaking.
Section 293(1)(d)	Do.

[No. F. 2/38/74-GUC]

D.K. SAXENA, Jt. Secy.

**उद्योग और नगरिक पूर्ति मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)**

आदेश.

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1975

का० आ० 552 (अ)/18 अ/ड० वि० वि० अ०/75.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियम) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन जारी किए गए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 13(अ), तारीख 3 जनवरी, 1974 के अपने आदेश द्वारा उस आदेश में विनिर्दिष्ट प्रबन्ध बोर्ड को मैसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड मुम्बई (जिसे इसमें इसके पश्चात् औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) के मुम्बई एकक का प्रबन्ध उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18ड की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस से उद्भवित अनुसूची में उन अपवादों, निर्वन्धनों, और सीमाओं को विनिर्दिष्ट करती है, जिनके अधीन रहते हुए, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) औद्योगिक उपक्रम को उसी रीति से लागू होगा जैसे यह उक्त आदेश के जारी करने से पूर्व उसे लागू होता था ।

अनुसूची

कम्पनी अधिनियम, 1956 के उपबन्ध वे अपवाद, निर्वन्धन और सीमाएं जिनके अधीन रहते हुए स्तम्भ (1) में उल्लिखित उपबन्ध उपक्रम को लागू होंगे ।

(1)	(2)
धारा 291 (1)	इस धारा के उपबन्ध औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगे :
धारा 293 (1) (घ)	-यथोक्त-

[सं० फा० 2/38/74-सी यू सी]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव ।